नई शिक्षा नीति में शाला शिक्षा संरचना पर शिक्षक प्रशिक्षकों, शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षुओं की राय का अध्ययन

बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की शिक्षा संकाय में बी.एड-एम.एड तीन वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम उपाधि की आंशिक प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

शोध प्रबंधन

(2020-2021)

D-590

शोध पर्यवेक्षक :
प्रो. बी.रमेश बाबू
शिक्षा विभाग

शोध छात्र :
चन्द्र प्रकाश चन्दन
क्रमांक स : 190660612
बी.एड-एम.एड 6th सेमेस्टर

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी
भोपाल,(मध्य प्रदेश)

शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

(A Constituent Unit of NCERT, New Delhi)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि , **चन्द्र प्रकाश चन्दन**, बी.एड-एम.एड तीन वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम , क्षेत्रीय संस्थान शिक्षा, भोपाल के छात्र ने सत्र **2018-2021** के दौरान रोल नंबर- **190660612** के तहत अपना शोध प्रबंध **"नई शिक्षा नीति में शाला शिक्षा संरचना पर शिक्षक प्रशिक्षकों, शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षुओं की राय का अध्ययन "** मेरे मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में संपन्न किये हैं।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उनके वर्तमान स्वरूप में शोध प्रबंध, बी.एड-एम.एड तीन वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम की डिग्री के लिए बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय में जमा करने के लिए उपयुक्त है।

दिनांक : 19/7/2021

स्थान : Bhopal.

शोध पर्यवेक्षक :
प्रो. बी.रमेश बाबू
शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी
भोपाल,(मध्य प्रदेश)

शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

(A Constituent Unit of NCERT, New Delhi)

घोषणा

मैं, चन्द्र प्रकाश चन्दन, बी.एड-एम.एड तीन वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का छात्र, एतद्द्वारा इस शोध प्रबंध की घोषणा करता हूँ , जिसका शीर्षक है **"नई शिक्षा नीति में शाला शिक्षा संरचना पर शिक्षक प्रशिक्षकों, शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षुओं की राय का अध्ययन"** मेरे द्वारा सत्र **2018-2021** के दौरान **प्रोफेसर.बी.रमेश बाबू**, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल (म.प्र.) की देखरेख में किए गए मूल शोध का परिणाम है। यह शोध प्रबंध बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की शिक्षा संकाय में बी.एड-एम.एड तीन वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम उपाधि की आंशिक प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया गया है।

मैं यह भी घोषणा करता हूं कि मैंने या किसी और ने इस शोध प्रबंध को इस या किसी अन्य डिग्री/डिप्लोमा के लिए इस या किसी अन्य रूप में इस या देश या विदेश के किसी अन्य विश्वविद्यालय में जमा नहीं किया है।

चन्द्र प्रकाश चन्दन

(चन्द्र प्रकाश चन्दन)

दिनांक :

स्थान :

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी

भोपाल,(मध्य प्रदेश)

आत्म निवेदन

भारतीय समाज में शिक्षा को सदैव ही महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। सभ्यता विकाश के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी विकाश की दिशाए निरंतर अग्रसर होती रही है। प्राचीन काल के गुरुकुलों से लेकर वर्तमान समय के विश्वविद्यालय और शिक्षा संस्थानों तक मानव के उदात्तीकरण के साथ-साथ शिक्षा का भी उन्ननयन होता गया। पूर्व की शाला शिक्षा संरचना और वर्तमान व आगामी शाला संरचना भिन्न है। वर्तमान में नई शिक्षा निति 2020 में शिक्षा शाला संरचना का अध्ययन करना शिक्षा के शोधार्थी को आवश्यक है।

मैं अपने शोध पर्यवेक्षक **प्रो. बी.रमेश बाबू** सर के प्रति कृतज्ञ हूँ। जिन्होंने अर्थक परिश्रम कर प्रारंभ से अंत तक मुझे निदेशित कर मेरा सहायता किये हैं। और समय-समय पर मेरे लेखन कार्य का भी अवलोकन किया है। इस अच्छे सुयोग से ही मेरा यह लेखन कार्य संपन्न हुआ है।

मैं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के प्राचार्य **प्रो. वी.के.काकरिया** और **पूर्व प्राचार्य प्रो. नित्यानंद प्रधान** के प्रति उनके स्नेहपूर्ण सहयोग और आवश्यकता के समय बहुमूल्य सुझाव देने के लिए मैं उनका हृदय से आभारी हूँ।

मैं **प्रो. रत्नमाला आर्य**, प्रमुख, शिक्षा विभाग के प्रति मेरे शोध प्रबंध कार्य के लिए अनुमति और विभागीय सुविधा प्रदान करने के लिए, हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करता हूँ।

मैं अपने शिक्षकों **प्रो. आई.बी.चुगताई**, **डॉ.एन.सी. ओझा**, **डॉ. एस.के.पंडागले**, **डॉ. सौरभ कुमार** के प्रति भी हार्दिक सम्मान व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने मेरे कार्य अवधि के दौरान अपने बहुमूल्य ज्ञान से मेरा मार्ग प्रशस्त किया।

मैं अपने सभी वरिष्ठों जैसे , डेनिसा ,दुष्यंत मार्को, कल्पना, प्रमोद जाटव और पूजा शर्मा, अंशुजा, सिया मिश्रा, जगमोहन जैसे दोस्तों और स्थानीय अभिभावक **श्रीमती मधु चौधरी और श्री राजेश कुमार चौधरी** और कई अन्य लोगों का आभारी हूं, जो मुझे मेरे शोध प्रबंध को पूरा करने के लिए सुझाव देते रहे हैं। मैं अपने माता - **श्रीमती बिनीता कुमारी** ,पिता - **श्री दशरथ रजक** के प्रति सम्मान पूर्वक आदर व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मुझे शोध प्रबंधन कार्यो के लिए ग्रह ,चिंताओं से सदैव मुक्त रखा।